an>

Title : Need to declare culturally and historically Important ancient banyan tree located at Jyotisar in Kurukshetra, Haryana as a National heritage.

श्री रत्न लाल कटारिया **(अम्बाला) :**अध्यक्ष महोदया, मैं संस्कृति मंत्री जी का ध्यान अविलम्बनीय लोक महत्व के निम्न विषय की ओर दिलाता हूं और प्रार्थना करता हूं कि वह इस संबंध में वक्तव्य दें

"हरियाणा में कुरुक्षेत्र के ज्योतिसर में सांस्कृतिक और ऐतिहासिक रूप से महत्वपूर्ण प्राचीन वट वृक्ष को राष्ट्रीय विरासत घोषित किए जाने की आवश्यकता।"

संस्कृति मंत्रालय के राज्य मंत्री**,** पर्यटन मंत्रालय के राज्य मंत्री तथा नागर विमानन मंत्रालय में राज्य मंत्री **(**डॉ. महेश शर्मा**):** अध्यक्ष जी, मैं माननीय सदस्य की भावनाओं का सम्मान करता हूं, जिन्होंने अपने क्षेत्र ज्योतिसर में अवस्थित प्राचीन वट वृक्ष के बारे में ध्यानाकर्षण के माध्यम से जो विषय उठाया है। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण देश में राष्ट्रीय महत्व के रूप में घोषित स्मारक और स्थल को संरक्षित, परिरक्षित और अनुरक्षित करता है। वर्ष 1958 के इस एक्ट के दायरे में जो भी ऐसे प्राचीन संस्मारक या स्थल जो 100 वर्ष से पुराने हों और इसकी परिधि में आते हों, उपर्युक्त के परिप्रेक्ष्य में यह बताना समीचीन होगा कि कुरूक्षेत्र (हरियाणा) में गीता उपदेश स्थल में वट वृक्ष 1958 के स्मारक एक्ट की परिभाषा में नहीं आता है और इस संबंध में पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ने सूचित किया है कि देहरादून स्थित वन अनुसंधान केंद्र और भारतीय वानिकी अनुसंधान, देहरादून द्वारा जो वैज्ञानिक सलाह दी गई है, उसके विषय में आगे कार्रवाई की जा सकती है और इस विषय में हरियाणा सरकार को अवगत करा दिया गया है। अगर वहां से अगर कोई और व्यवस्था आएगी तो हमारा मंत्रालय और भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग आगे की कार्रवाई करेगा।

श्री रत्न लाल कटारिया **:** महोदया, मैं हैरान हूं कि भारतवर्ष में ऐसे स्थानों को राष्ट्रीय धरोहर घोषित किया गया है। मैं सभी धर्मों का सम्मान करता हूं लेकिन एक ऐसा स्थल जहां भगवान श्री कृष्ण ने पांच हजार साल पहले गीता का उपदेश दिया और विश्व के करोड़ों लोगों ने उस स्थान का भ्रमण किया और जगत गुरु शंकराचार्य से ले कर विभिन्न धर्मों के सभी लोग उसे देखने के लिए गए।

मुझे याद है कि भारत माता के लाल श्री अटल बिहारी वाजपेयी उसे देखने के लिए गए, आदरणीय लाल कृष्ण आडवाणी जी जब अपनी रथयात्रा लेकर गए, तब मैं खुद वहां पर था, वे उस वट वृक्ष को देखने के लिए गए। आदरणीय प्रधान मंत्री जी भी उनके साथ वहां वट वृक्ष को देखने के लिए गए थे। इतने हजारों सालों से इस वृक्ष की मान्यता बन रही है और आज मंत्री जी जवाब में कह रहे हैं कि यह स्मारक नहीं है। क्या केवल कुछ ईंटें रखने से ही कोई यादगार बनती है। वह वृक्ष 5000 साल से अपने अस्तित्व में है, वहां पर तीर्थयात्री आ रहे हैं, विदेशों से पर्यटक आ रहे हैं। किन्हीं कारणों से, जाने-अनजाने में हरियाणा टूरिज्म विभाग या किसी अन्य संस्था ने इस वृक्ष पर कुछ लाइट्स लगा दीं, ऊपर से जाल डाल दिया और इस वृक्ष के तने के चारों ओर संगमरमर पत्थर लगा दिया गया, जिसकी वजह से इस वृक्ष का सांस लेना दूभर हो गया। जैसे ही ऊपर जाल बिछा और लाइट्स लगीं, उससे इस वृक्ष की जड़ों में दीमक लग गयी। जब यह विषय ध्यान में आया तो आदरणीय मंत्री जी ने भी उस बात का उल्लेख किया है। मैं कुरूक्षेत्र का रहने वाला हूं, वहीं पर मेरा जन्म हुआ है और वह स्थान हमारे देश के करोड़ों लोगों के लिए सोर्स ऑफ एस्पिरेशन्स है। मैं आज यहां इस महान सदन में हरियाणा के मुख्यमंत्री श्रीमान मनोहर लाल खट्टर जी का भी अभिनन्दन करना चाहता हूं कि उन्होंने गीता की इस उपदेश-स्थली को हरियाणा के पाठ्यक्रम में शामिल कर लिया है। जब हरियाणा सरकार इसको अपने पाठ्यक्रम में शामिल कर सकती है, जब पांच हजार साल से इसकी मान्यता बनी हुई है, मंत्री जी, यह सरकार भारत की संस्कृति को प्रतिबिम्बित करती है, मेरी आपसे यही प्रार्थना है कि आप पूरे ज्योतिसर, कुरूक्षेत्र जिले और इस वटवृक्ष को राष्ट्रीय धरोहर घोषित करें। यही मेरा आपसे नम्र निवेदन है। ...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष **:** अब ऐसा नहीं होता है।

डॉ. महेश शर्मा**:** महोदया, माननीय सदस्य की भावनाओं का पुनः सम्मान करते हुए, उस वटवृक्ष के राष्ट्रीय महत्व पर चिंतन करने के लिए मैं 23 तारीख को स्वयं कुरूक्षेत्र स्थित उस स्थल पर जा रहा हूं। इस विषय में आगे जो भी उचित व्यवस्था होगी, करेंगे, क्योंकि हम अपने संविधान और कानून से बंधे हुए हैं। वर्तमान में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग 3685 ऐसे स्मारकों का संरक्षण करता है। आदरणीय सदस्य यह विषय हमारे संज्ञान में लाए हैं, हम इस पर आगे जांच करके कार्रवाई करेंगे।

[Placed in Library, See No. LT 2151/16/15]

HON. SPEAKER: Now we shall take up 'Zero Hour'.

...(*Interruptions*)

HON. SPEAKER: No, not like this.

...(*Interruptions*)

HON. SPEAKER: There is no question of suspension of Question Hour.

...(*Interruptions*)

HON. SPEAKER: Yes, I will allow one by one. But all the State matters cannot be raised here.

...(*Interruptions*)

HON. SPEAKER: I am not allowing.

...(*Interruptions*)

HON. SPEAKER: It is not like that. Otherwise, I will not take 'Zero Hour'.

...(*Interruptions*)

12.14 hrs

At this stage, Shri P.K. Biju, Dr. A. Sampath and some other hon. Members came

and stood on the floor near the Table.

...(*Interruptions*)

HON. SPEAKER: Please go back to your seats.

...(*Interruptions*)

HON. SPEAKER: What is all this?

...(*Interruptions*)

HON. SPEAKER: Please go to your seats. This is not the way. No, I am sorry.

Shri K. Suresh to speak.

...(*Interruptions*)

SHRI KODIKUNNIL SURESH (MAVELIKKARA): Madam Speaker, I am raising a very important issue. It has happened in Tamil Nadu. ...(*Interruptions*)

HON. SPEAKER: This is happening day after day. Please go to your seats. All State matters cannot be raised here. I do not understand what you want to say. Please go to your seats.

...(*Interruptions*)

HON. SPEAKER: What is it? Karunakaranji, tell them this is not the way. I cannot understand all these things. They have to go to their seats first.

...(*Interruptions*)

HON. SPEAKER: Nothing will go on record. This will not happen.

*(Interruptions) â€¦ **

HON. SPEAKER: Now I will not allow anybody. You go to your seats.

...(*Interruptions*)

HON. SPEAKER: Nothing will go on record.

*(Interruptions) â€¦ **

SHRI KODIKUNNIL SURESH: Madam Speaker, in Tamil Nadu one dalit youth Aravindhan was brutally attacked by gangsters.

HON. SPEAKER: Sureshji, every day you are raising State matters. You should not do that. First you try there. In one village something is happening and you are raising it here. First you try with the State. If the State is not taking any action or something like that, then only â€¦

...(*Interruptions*)

HON. SPEAKER: I disallowed your notice for suspension of Question Hour. You please go to your seat. I just do not know what you want to raise. This will not happen, I am sorry. You cannot raise State matters here every now and then. You have to go to your seat.

...(*Interruptions*)

HON. SPEAKER: Mr. Suresh, this is not the way. If something happens in one village, if the State is not taking action then it is alright. Because this is a dalit, I can understand, I am allowing you. After that I will allow Shri P. Venugopal also.

...(*Interruptions*)